

न्यायालय जिला कलक्टर हनुमानगढ

पीठासीन अधिकारी का नाम:—प्रकाश राजपुरोहित

प्रकरण संख्या 31 / 2017

भूपेन्द्र कुमार पुत्र लक्ष्मीनारायण जाति ब्राह्मण निवासी कुलचन्द्र
तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ।

—प्रार्थी

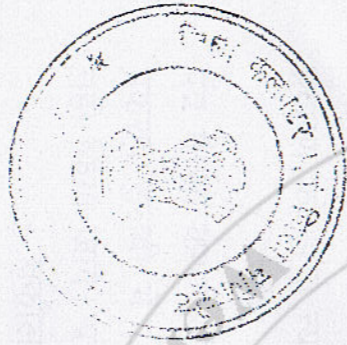
बनाम

- 1.सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी टिब्बी हनुमानगढ
जरिये पीठासीन अधिकारी उम्मेद सिंह रतन।
- 2.देवेन्द्र कुमार पुत्र रामजीलाल जाति जाट निवासी कुलचन्द्र
तहसील टिब्बी हनुमानगढ राजस्थान।

—अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र बाबत स्थानान्तरण पत्रावली
प्रकरण संख्या 23 / 2017 प्रार्थना पत्र
अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी
अधिनियम

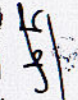
- उपस्थित:—1.श्री प्रदीप मोहन भाटी वकील प्रार्थी
- 2.श्री सोहन लाल सहारण राजकीय अधिवक्ता
स्टेट की ओर से
 - 3.श्री राजेश दीप राय वकील अप्रार्थी संख्या 2



आदेश

दिनांक:—24.01.2018

प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के तथ्य संक्षिप्त रूप से इस प्रकार है कि
प्रार्थी के विरुद्ध एक प्रार्थन पत्र अप्रार्थी संख्या 2 द्वारा अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान
काश्तकारी अधिनियम अनवानी देवेन्द्र कुमार बनाम भूपेन्द्र आदि प्रकरण संख्या 23 / 2017
अप्रार्थी संख्या 1 के समक्ष प्रस्तुत कर रखा है जिसमें आगामी पेशी दिनांक 24.07.2017


जिला न्यायालय
हनुमानगढ

मुकरर है। प्रार्थना पत्र में अप्रार्थी संख्या 1 न्यायालय द्वारा प्रार्थी को बिना सुनवाई के प्रार्थना पत्र आदेश पारित किए जा रहे है व अप्रार्थी संख्या 1 न्यायालय के पीठासीन अधिकारी श्री उम्मेद सिंह रतनू एसजीएम द्वारा अप्रार्थी संख्या 2 जो कि उच्च राजनैतिक पहुंच रखता है के प्रभाव में आकर व दबाव में आकर जैरकार प्रार्थना पत्र को उक्त प्रार्थना पत्र का निर्णय प्रार्थी के विरुद्ध करने का अंदेशा है व प्रार्थी को उक्त प्रार्थना पत्र में न्याय की उम्मीद नहीं है इसलिए प्रार्थी उक्त प्रार्थना पत्र में निर्णय किसी अन्य निडर व ईमानदार अधिकारी से करवाना चाहता है। प्रार्थी ने एक वाद अनवानी भूपेन्द्र कुमार बनाम देवेन्द्र कुमार आदि अन्तर्गत धारा 53 आरटीए न्यायालय टिब्बी में प्रस्तुत कर रखा है जो कि जैरकार है जिसमें आगामी पेशी 27.7.2017 मुकरर है की सुनवाई उक्त प्रार्थना पत्र 212 आरटीए से पूर्व करना सुनिश्चित किया जाना था किन्तु उक्त पूर्व में प्रस्तुत वाद धारा 53 आरटीए में कोई कार्यवाही नहीं की जा रही जो कि अप्रार्थी संख्या 2 द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र व वाद उक्त वाद के पश्चातर्वा वाद है जिसमें सुनवाई विचारण की उत्सुकता जाहिर की जा रही है जो कि अप्रार्थी संख्या 2 द्वारा प्रार्थी को ऐलानिया धमकियां दी जा रही जो कि अप्रार्थी संख्या 1 के साथ राजनैतिक दबाव दिया हुआ है व सेटिंग हो चुकी है इसलिए उक्त जैरकार प्रार्थना पत्र में निर्णय अप्रार्थी संख्या 2 के पक्ष में ही होगा। प्रार्थी को अप्रार्थी संख्या 1 के न्यायालय से कोई न्याय की उम्मीद नहीं है इसलिए प्रार्थी के पास उक्त जैरकार प्रार्थना पत्र को स्थानान्तरण करवाने के पुख्ता आधार है न प्रार्थना पत्र 212 आरटीए का अन्य अधिकारी से सुनवाई करवाना सुनिश्चित करे।

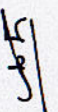
प्रार्थना पत्र प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया गया। अप्रार्थिगण की तलबी की गई। उपखण्ड अधिकारी टिब्बी से टिप्पणी मंगवाई गई।

वकील उभय पक्ष उपस्थित। उभय पक्ष के अभिभाषकगण की बहस सुनी गई। वकील प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र में अंकित कथनो को दोहराते हुए बहस में कथन किया कि अपार्थी संख्या 2 राजनैतिक पहुंच रखता है। पीठासीन अधिकारी अपार्थी संख्या 2 के प्रभाव में आकर प्रश्नगत विचाराधीन प्रकरण में निर्णय प्रार्थी के विरुद्ध करने का अंदेशा है। इसलिए उपखण्ड अधिकारी टिब्बी के न्यायालय में प्रश्नगत विचाराधीन प्रकरण को अन्य न्यायालय में स्थानान्तरण करने के आदेश फरमाये जावे।

स्टेट की ओर राजकीय अधिवक्ता ने कथन किया कि प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र में जो कथन अंकित किये वे निराधार व तथ्यहीन है। अधीनस्थ न्यायालय में प्रश्नगत प्रकरण तलबी में विचाराधीन है। इसलिए प्रकरण को अन्यत्र न्यायालय में स्थानान्तरण नहीं किया जावे। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज फरमाया जावे।

वकील अपार्थी संख्या 2 ने अपनी बहस में कथन किया कि प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र में जो कथन अंकित किये वे निराधार व तथ्यहीन है। अधीनस्थ न्यायालय में विचाराधीन प्रश्नगत पत्रावली को राजस्व मण्डल अजमेर द्वारा निगरानी में तलब की गई है। इसलिए प्रार्थी का प्रार्थना पत्र बेसुद हो चुका है। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज फरमाया जावे।

उभय पक्ष की बहस पर मनन किया तथा पत्रावली का अवलोकन किया। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र उपखण्ड अधिकारी टिब्बी के न्यायालय में विचाराधीन प्रश्नगत


प्रधान न्यायालय
दिल्ली

प्रकरण को अन्यत्र न्यायालय में स्थानान्तरण करवाने के संबंध में है। प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र में जो आरोप लगाये गये हैं जिनके संबंध में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं किया है। पत्रावली पर उपलब्ध अप्रार्थी संख्या 2 का प्रार्थना पत्र दिनांक 10.10.2017 का अवलोकन करने पर अधीनस्थ न्यायालय में विद्यारथीन प्रश्नगत प्रकरण को राजस्व मण्डल अजमेर द्वारा निगरानी में तलब किया जाना पाया गया है। ऐसी स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना पत्र निष्प्रभावी हो चुका है। उक्त विवेचनानुसार प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज योग्य है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है। आदेश की प्रति उपखण्ड अधिकारी टिब्बी को भेजी जावे। पत्रावली निर्णय शुमार होकर बाद तकमील दाखिल दफतर की जावे।

आदेश आज दिनांक 24.01.2018 को लिखाया जाकर सुनाया गया।




जिला न्यायाधीश
हनुमानगढ़ जयपुर

सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official